



संपादकीय

एक तीर से दो निशाने

यह सही है कि विकासशील भारत का लगातार दो रुद्धे हैं। नीतिगत ब

આલોચના

बजट 2025 में कृषि: ग्रामीण समृद्धि और मजबूती का इंजन

नवीन पी. सिंह, एस के श्रीवास्तव

विकसित भारत की आकांक्षा के साथ, वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट का उद्देश्य प्रमुख संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करते हुए लक्षित सुधारों के शुभारंभ के साथ भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को नवरूप प्रदान करना है। यह बजट किफायती त्रैा तक पहुंच बढ़ाने, फसल बीमा का विस्तार करने, कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने और 1.52 ट्रिलियन रुपये के आवटन के साथ संतुलित क्षेत्रीय विकास की प्रसिं जो प्राथमिकता देता है। बजट की प्रमुख विशेषताओं में से एक सब्सिडी वाले कृषि त्रैा की सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रति किसान करना है, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को व्यापक बनाते हुए किसान परिवारों को समर्थन देना है। इसके साथ-साथ, सरकार ने वर्ष 2030 तक दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, बजट में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण के लिए प्रोत्साहन के रूप में 109 बिलियन रुपये आर्वांटि किए गए हैं। बुनियादी ढांचे और उत्पादकता बढ़ाने के लिए 9 बिलियन डॉलर की पांच वर्ष की निवेश योजना के साथ मत्स्य पालन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है। सरकार ने दीर्घकालिक उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा देने में कृषि अनुसंधान और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी है। वित्त वर्ष 2025-26 में कृषि अनुसंधान और शिक्षा के लिए बजट 10,466.39 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.05 प्रतिशत की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि, सकारात्मक होते हुए भी, आधुनिक कृषि अनुसंधान की बढ़ती जटिलता और पूंजी-परक स्थिति को देखते हुए और अधिक पर्याप्त हो सकती थी। सबसे पहले, इस बजट में संबोधित की गई एक महत्वपूर्ण जिंता गतिशीलता है, जो नियंत्रण उच्च गति है और यह 2024 के

जाति जाति नुकसानात, जो निरत उच्च रहा है जो, वह 2024 के अंत में वर्ष-दर-वर्ष 10 प्रतिशत को पार कर चुकी है। इसने निपटने के लिए, सरकार ने दालों के शुल्क-मुक्त आयत को बढ़ाया है और मूल्य स्थिरता को बनाए रखने के लिए चुनिंदा नियर्त प्रतिबंध भी लगाए हैं। हालांकि, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खरीद के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से दालों के पक्ष में समानता लाना आवश्यक है। दूसरा, मौसम की बदलती परिस्थितियों और घटते जल संसाधन जलवायु परिवर्तन के जोखिम इसमें शामिल हैं। कृषि क्षेत्र में मजबूत बनाने की दिशा में अधिक निवेश की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। बजट में किसानों को जलवायु उत्तर-चढ़ाव से बचाने के लिए सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के उपायों की रूपरेखा दी गई है। ये हस्तक्षेप दीर्घकालिक और जलवायु-अनुकूल कृषि कार्यप्रणाली की आवश्यकता की बढ़ती मान्यता को दर्शाते हैं। हालांकि, सरकार प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए और विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से दीर्घकालिक अवधि में सूखे को कम करने के लिए अधिक बजट आवंटित कर सकती थी। जैविक खेती जैसी योजनाओं के लिए बजट आवंटन के लगभग 50 प्रतिशत वास्तविक व्यय के साथ, बढ़े हुए बजट स्तरों के साथ योजना को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण चिंतन की आवश्यकता है जहां राज्यों को जैविक खेती के लिए वस्तुओं की पहचान के लिए शामिल किया जा सकता है। तीसरा, यह बजट कृषि और संबद्ध क्षेत्र को बदलने में संघीय व्यवस्था के महत्व पर जोर देता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकर्वाई) का शुभारंभ हुआ, जिसका लक्ष्य कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता और औसत से कम त्रश्च मापदंडों वाले 100 जिले हैं। इस योजना में स्वीकार्यता दृष्टिकोण अपनाया गया है और इसके अंतर्गत 1.67 करोड़ से अधिक किसानों को शामिल किए जाने की आशा है। कम विकसित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से समग्र कृषि विकास पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। इस हस्तक्षेप का एक रोचक पहलू पंचायत स्तर पर कटाई के बाद के भंडारण को बढ़ाना है, जिसका उद्देश्य खेत से लेकर बाजार तक कटाई के बाद के नुकसान को कम करना है।

भारत डोगरा

अवैध अप्रवासियों पर आक्रामक अमेरिका

हष वा पत

अवैध अप्रवासन का खिलाफ अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया के रूप में अवैध अप्रवासी भारतीयों का पहला ज्ञाता भारत आ गया है। यह कार्रवाई ट्रंप के उस चुनावी वादे के संदर्भ में की गई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका में एक करोड़ से अधिक अवैध अप्रवासियों के रहने के दावे किए थे। चूंकि चुनाव में उन्हें इसका पर्यादा मिला था, इसलिए वह अपने आधार बोट-बैंक को संतुष्ट करने के लिए अवैध अप्रवासियों की बतन-वापसी करा रहे हैं। आकलन है कि करीब 18 हजार भारतीयों को वापस भेजा जाएगा, जो गैर-कानूनी रूप से वहाँ गए हैं। हालांकि, अनुमान यह भी है कि अमेरिका में लगभग 7,200 लाख भारतीय अवैध तरीके से रहते हैं, लेकिन इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। पिछले साल भी करीब 1,100 भारतीय को वापस भेजा गया था, लेकिन इस साल अंकड़ा काफी बढ़ा है। मगर भारत का रुख स्पष्ट है। अगर ये लोग गलत तरीके से अमेरिका गए हैं और उनको वापस भेजा जाता है, तो उन्हें खुले दिल से स्वीकार किया जाएगा। नई दिली का यह रखैया इसलिए भी है, क्योंकि अवैध आप्रवासन भारत में भी एक गंभीर मसला है और हमारा मानना है कि इससे आप्रवासन का मसला राज्यसभा में उठा, तब यह जरूर कहा गया कि कई देश अपने यहाँ मौजूद अवैध अप्रवासी भारतीयों की संख्या तब तक नहीं बताते, जब तक कि उनको निर्वासित नहीं किया जाता, लेकिन इसकी जानकारी भी दी गई कि देश में 30 अक्टूबर, 2023 तक 2,925 ऐसे एजेंटों की पहचान कर ली गई थी, जो गलत तरीके से भारतीयों को विदेश भेजते हैं। अवैध आप्रवासन का शायद ही कोई समर्थन करता है। भारत ने भी अमेरिका को आश्वस्त किया है कि वह इस मामले में उसका पूरा साथ देगा। बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फैन पर बातचीत हुई थी, तब उसमें भी यह मसला उठा था। हालांकि, अमेरिका में मौजूद अवैध अप्रवासियों में भारत की हिस्सेदारी बमुश्कल तीन प्रतिशत है और इसकी तुलना में अमेरिका के पड़ोसी देश, मैक्सिको या लातीन अमेरिका से बड़ी संख्या में लोग गैर-कानूनी रूप से अमेरिका जाते हैं। मगर भारतीय नागरिकों पर इसलिए कार्रवाई की गई है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में हमने यह अंकड़ा बढ़ाव देखा है, जो चिंता की बजह है। इस पूरे प्रकरण के दो पहलू स्पष्ट हैं। एक, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू राजनीति के दबाव में ऐसा कर रहे हैं और अपने नागरिकों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने चुनाव में जो कहा था, उसे पूरा करने की तकत द्दुर्लभ है। पद संभालते ही जिस तरह से उन्होंने ताबड़तोड़ फैसले किए, उसका संदेश भी कमोबेश यही था। हाँ, यह अलग बोशक, कार्रवाई गैर-कानूनी रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों पर हो रही है, लेकिन इसका असर कानूनी तरीके से रहने वाले लोगों पर भी पड़ सकता है। ऐसी घटनाओं का इसेमाल आप्रवासन के खिलाफ माहौल बनाने में किया जा सकता है। वैसे भी, संरक्षणवाद की हवा पूरी दुनिया में बहने लगी है और सभी देश अपने संसाधनों पर अपने नागरिकों का ही हक चाहने लगे हैं। भारत से लोग कहाँ-कहाँ गैर-कानूनी रूप से जाते हैं, यह कहना मुश्किल है, लेकिन माना यही जाता है कि वे अमेरिका, यूरोप, कनाडा और मध्य-पूर्व (पश्चिम एशिया) जाना ज्यादा पसंद करते हैं। पिछले साल ही मार्च में यह खबर आई थी कि वर्ष 2023 में 1,000 से अधिक

कांग्रेस की ताबड़ोड़ रैली, बाबूजी का आशीर्वाद बना रहे जीत हमारी सुनिश्चित : मनीष मानिक



रायपुर (विश्व परिवार)। माना कैंप नगर पंचायत में कांग्रेस पार्टी के लिए पुनः एक बार कांग्रेस के पितृ पुरुष सत्यनारायण शर्मा (बाबूजी) ने माना कैम्प आकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह भर दिया है सत्यनारायण शर्मा के नेतृत्व में नगर पंचायत अधिक्षम पद के उम्मीदवार मनीष मानिक एवं माना कैम्प के समस्त पार्टी के लिए धूधांधर रैली कर माना नगर पंचायत को स्वच्छ, सुंदर नगर पंचायत बनाने माना कैम्प वासियों द्वारा व आशीर्वाद मार्गां ! कांग्रेस के उत्साही कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं की अपार भीड़ के कारण कांग्रेस की ताबड़ोड़ रैली से पूरा माना कैम्प कांग्रेस मय लग रहा था !

हमारे किए गए विकास कार्यों पर आप सभी का प्यार एवं आशीर्वाद पुनः मिले



रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ. विनिन बिहारी सूर वार्ड क्रमांक 64 भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद मनोज वर्मा को एक बार पुनः पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

आज मनोज वर्मा ने महिलाओं की अपार भीड़ के साथ साथ पार्टी के तराम कार्यकर्ताओं व शुभचिंतकों के

बोरिया खुर्द बस्ती वासियों का उमा चंद्रहास को मिला अपार स्नेह
रायपुर (विसं)। कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्रमांक-54 से कांग्रेस प्रत्याशी उमा चंद्रहास निर्मलकर की जनसंपर्क यात्रा आज बोरिया खुर्द बस्ती पहुंची बोरिया खुर्द बस्ती वासियों ने आजे बढ़ स्वागत कर अपार लोहे दिया एवं अपनी पूर्व पार्षद को पुनः एक बार उनके पक्ष में मतदान कर नगर निगम पटुचाने का बाद किया।



www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 08 फरवरी 2025

8

माजपा के सबसे कम उम्र के युवा प्रत्याशी देवदत द्विवेदी का सघन जनसंपर्क



रायपुर (विश्व परिवार)। नगरी निकाय चुनाव को लेकर लगातार प्रत्याशियों द्वारा प्रचार प्रसार किया जा रहा है साथ ही जनसंपर्क कर जनता के बीच जा रहे हैं युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए भाजपा ने इस बार युवाओं को भी अपना प्रत्याशी बनाया है बताते हुए चर्चे की रानी लक्ष्मीबाई वार्ड में विकास के कार्य नहीं हो पाए लेकिन पुणे एक बार जनता कमल छाप पर विश्वास कर बहुमत से जीत कर यहां प्रत्याशी बैठाएंगी और विकास की गति को तीव्र करने का कार्य किया जाएगा आगे उन्होंने कहा कि युवाओं को भाजपा राजनीति से जोड़ना चाह रही है और देश और प्रदेश को नई सक्रिय राजनीति की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है आगे उन्होंने जनता से अनुरोध करते हुए कहा कि जनता अपने मतदान का बढ़ चढ़ाकर उपयोग करें और 11 तारीख को मतदान करें।

कांग्रेस प्रत्याशी : वार्ड में गालियों और नालियों को किया जाएगा स्वच्छ, विकास की गति होगी तेज़ : देवेंद्र यादव



रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा अपने प्रत्याशियों का नाम ऐलान करने के बाद घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है। इसके बाद लगातार प्रत्याशियों द्वारा जन समर्थन के लिए वार्ड में भ्रमण जारी है। इसी बीच शाहीद राजीव पांडे वार्ड से एवं अपने विकास कार्य वार्ड में नहीं करा रहे हैं विकास कार्य वार्ड में नहीं करा रहे हैं जिसकी वजह से बाढ़ में विकास की गति धीमी हो गई है जिसे वह पुणः पुनः तीव्र करेंगे और एक नया स्वरूप विकास का जनता को दिखाएंगे।

आगे उन्होंने चर्चा करते वक्त किया जाएगा।

भाजपा प्रत्याशी मोहन साहू का तूफानी वार्ड भ्रमण जारी, मिल रहा जनता का अपार समर्थन



रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा द्वारा अपनी प्रत्याशियों के ऐलान के बाद लगातार नगरी निकाय चुनाव के लिए सक्रिय नजर आ रही है और चिन्हित प्रत्याशियों द्वारा सघन जनसंपर्क भी किया जा रहा है आपको बताते हुए चर्चे कि इस बार भाजपा ने उन्हें चुनावी सच्ची में समाज से हुए लोगों की भी मौका दिया है इसी कड़ी में युवा समाजसेवी मोहन साहू को वार्ड क्रमांक 11 भीमराव अंबेडकर से अपना प्रत्याशी चुनाव है जात हो की मोहन साहू मोहन साहू मंडल के अध्यक्ष भी हैं जो कि समाज का नेतृत्व भी करते हैं वह लगातार सक्रिय राजनीति में रहे हैं और पार्टी के लिए काम करते हुए हैं उनके द्वारा कैपेनिंग किया जा रहा है और जनता से मुलाकात कर वह उन्हें विकास की गति को तीव्र करने के लिए अस्वस्थ कर रहे हैं बताते हुए चर्चे कि अनुरोध करते हुए कहा कि जनता विकास के कार्यों को देखते हुए मतदान करें औं उन्हें मौका देकर विकास की गति को तीव्र करने का अवसर है।

कबीर नगर वार्ड क्र.-1 : मूलभूत सुविधाओं को किया जाएगा स्वच्छ बनेगा एमार्ट वार्ड : भगतराम हरवंश



रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा द्वारा नगर निकाय चुनाव को देखते हुए जिताऊ प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है इसी बीच कबीर नगर वार्ड क्रमांक 1 से भगतराम हरवंश को अपना उम्मीदवार बनाया है जात होगी वह लगातार सँडजन संपर्क कर वार्ड वासियों को विकास का नया स्वरूप दिखाने के लिए अस्वस्थ कर रहे हैं उनकी रैली में महिलाएं बढ़-चढ़ाकर हिस्सा ले रही हैं और बड़े बुजुर्गों का वह आशीर्वाद भी ले रहे हैं जिसकी वजह से पार्टी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया है उन्होंने जनता से अनुरोध करते हैं कि जनता को हर मूलभूत सुविधाओं से सशक्त करने का अवसर है।

वादे निभाए हैं, वादे निभाएंगे हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे



महतारी बंदन योजना

विवाहित महिलाओं को ₹12,000/सालाना, अब तक कुल ₹655.57 करोड़ की सहायता

5 लाख 65 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों को

सालाना ₹10,000, कुल ₹565 करोड़ की आर्थिक सहायता

पिछले 2 वर्षों में

13लाख किसानों को ₹3,716 करोड़ लंबित धन बोनस का भुगतान



तेंदू पत्ता पारिश्रमिक

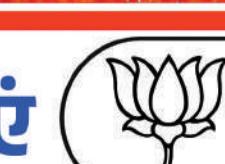
₹4,000 से बढ़ाकर ₹5,500

कृषक उन्नति योजना

24.75 लाख किसानों को ₹25,300 करोड़ इनपुट सम्बिंदी



14 महीने ₹30,236 लाभार्थियों के खातों में



माजपा को विजयी बनाएं

